Class – IX | Annual Examination – 2025 | Sub: Hindi | F.M. – 80

[Attempt all Question from this Section]

Section – A – 40 Marks

Question No – 1

निम्नलिखित में से किसी एक विषय का चयन कर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए । 15

i) दुनिया में अच्छे-बुरे दोनों तरह के लोग होते हैं। एक अच्छा पड़ोसी जहाँ आपका उत्तम मित्र साबित होता है, वहीं स्वभाव से बुरा पड़ोसी आपका सुख-चैन छीन लेता है। अपने पड़ोसी के स्वभाव की चर्चा कीजिए और बताइए कि उसकी कौन-सी बात आप जीवन-भर नहीं भूल पाएँगे ?

ii) भारतीय संस्कृति में "अतिथि को देवता के समान माना जाता है।" वर्तमान परिस्थितियों में यह मान्यता कहाँ तक सत्य के रूप में दिखाई देती है ? विचारों द्वारा समझाइए।

iii) देश मे हो रही हाल्ही की किसी घटना का वर्णन कीजिए, जिसने पूरे देश के लोगों को काफी प्रभावित किया हो । साथ ही आप इससे किस प्रकार जुड़े है उसका वर्णन भी कीजिए ।

iv) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो - "मन के हरे हार है, मन के जीते जीत।"

v) निम्नलिखित चित्र को ध्यान पूर्वक देखकर मन में उभरते विचारों को लेखबद्ध कीजिए । विषय का सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए ।

Question No – 2

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखो । 7

i) आप किसी पत्रिका के नियमित ग्राहक बनना चाहते है । पत्रिका के प्रकाशक से पत्र लिखकर पूछिए कि पत्रिका का वार्षिक मूल्य क्या है और आपको वह पत्रिका क्यों पसंद है ? **अथवा**

ii) आपके बड़े भाई ने आपकी किसी शर्त पर एक खास भेंट देने की बात कही थी । आप वह शर्त जीत गए है, उन्हें नम्रतापूर्वक शर्त की याद दिलाते हुए पत्र लिखिए ।

Question No – 3

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए-

सूर्य अस्त हो गया था। पक्षी चहचहाते हुए अपने नीड़ की ओर जा रहे थे। गाँव की कुछ स्त्रियाँ अपने घड़े लेकर कुएँ पर जा पहुँची। पानी भरकर कुछ स्त्रियों तो अपने घरों को लौट गई, परंतु चार स्त्रियाँ कुएँ की पक्की जगत पर ही बैठकर आपस में बातचीत करने लगीं। तरह-तरह की बातचीत करते-करते बात बेटों पर जा पहुँची। उनमें से एक की उम्र सबसे बड़ी लग रही थी। वह कहने लगी "भगवान सबको मेरे जैसा ही बेटा दे। वह लाखों में एक है। उसका कंठ बहुत मधुर है।

उसके गीत को सुनकर कोयल और मैना भी चुप हो जाती है। सच में, मेरा बेटा तो अनमोल हीरा है।" उसकी बात सुनकर दूसरी अपने बेटे की प्रशंसा करते हुए बोली "बहन मैं तो समझती हूँ कि मेरे बेटे की बराबरी कोई नहीं

कर सकता। वह बहुत ही शक्तिशाली और बहादुर है। वह बड़े-बड़े पहलवानों को भी पछाड़ देता है। वह आधुनिक युग का भीम है। मैं तो भगवान से कहती हूँ कि वह मेरे जैसा बेटा सबको दे।" दोनों स्त्रियों की बात सुनकर तीसरी भला क्यों चुप रहती? वह भी अपने को रोक न सकी। वह बोल उठी-"मेरा बेटा साक्षात् बृहस्पति का अवतार है। वह तो कुछ पढ़ता है, एकदम याद कर लेता है। ऐसा लगता है बहन, मानो उसके कंठ में सरस्वती का वास हो।"

तीनों की बात सुनकर चौथी स्त्री चुपचाप बैठी रही। उसका भी एक बेटा था। परंतु उसने अपने बेटे के बारे में कुछ नहीं कहा। जब पहली स्त्री ने उसे टोकते हुए पूछा कि उसके बेटे में क्या गुण है, तब चौथी स्त्री ने सहज भाव से कहा "मेरा बेटा ना गंधर्व-सा गायक है, न भीम-सा बलवान और न ही बृहस्पति-सा बुद्धिमान।" यह कहकर वह शांत बैठ गई। कुछ देर बाद जब वे घड़े सिर पर रखकर लौटने लगीं, तभी किसी के गीत का मधुर स्वर सुनाई पड़ा, गीत सुनकर सभी स्त्रियाँ ठिठक गईं। पहली स्त्री शीघ्र ही बोल उठी "मेरा हीरा गा रहा है। तुम लोगों ने सुना, उसका कंठ कितना मधुर है।" तीनों स्त्रियाँ बड़े ध्यान से उसे देखने लगीं। वह गीत गाता हुआ उसी रास्ते से निकल गया। उसने अपनी माँ की तरफ ध्यान नहीं दिया।

थोड़ी देर बाद दूसरी का बेटा दिखाई दिया। दूसरी स्त्री ने बड़े गर्व से कहा, "देखो मेरा बलवान बेटा आ रहा है। वह बातें कर रही थी कि उसका बेटा भी उसकी ओर ध्यान दिए बगैर निकल गया।" तभी तीसरी स्त्री का बेटा उधर से संस्कृत के श्लोकों का पाठ करता हुआ निकला। तीसरी ने बड़े गद्गद् स्वर में कहा "देखो, मेरे बेटे के कंठ में सरस्वती का वास है। वह भी माँ की ओर देखे बिना आगे बढ़ गया। वह अभी थोड़ी दूर गया होगा कि चौथी स्त्री का बेटा भी अचानक उधर से आ निकला। वह देखने में बहुत सीधा-सादा और सरल प्रवृति का लग रहा था। उसे देखकर चौथी स्त्री ने कहा, "बहन, यही मेरा बेटा है।" तभी उसका बेटा पास आ पहुँचा। अपनी माँ को देखकर रुक गया और बोला, "माँ लाओ मैं तुम्हारा घड़ा पहुँचा दूँ। माँ ने मना किया, फिर भी उसने माँ के सिर से पानी का घड़ा उतारकर अपने सिर पर रख लिया और घर की ओर चल पड़ा। तीनों स्त्रियाँ बड़े ही आश्चर्य से देखती रहीं। एक वृद्ध महिला बहुत देर से उनकी बातें सुन रही थी। वह उनके पास आकर बोली, "देखती क्या हो। यही सच्चा हीरा है।"

i) पहली तथा दूसरी स्त्री ने अपने-अपने बेटे के विषय में क्या कहा ? 2

ii) तीसरी स्त्री ने अपने बेटे को 'बृहस्पति का अवतार' क्यों कहा ? 2

iii) पहली स्त्री द्वारा पूछे जाने पर चौथी स्त्री ने क्या कहा ? 2

iv) चौथी स्त्री के बेटे ने अपनी माँ के साथ कैसा व्यवहार किया, यह देखकर तीनों स्त्रियों को कैसा लगा? 2

v) बच्चों को अपने माता-पिता के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए ? समझाइए। 2

Question No – 4

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए–

i) आह्वान का विलोम होगा - a) पुकारना b) आवाज c) विमर्श d) विसर्जन । 1

ii) छवि का उचित पर्यायवाची शब्द – 1

a) कान्ति - गहना b) प्रभा - भूषण c) भूषण - गहना d) प्रभा - कान्ति ✓

iii) सुहृदय शब्द का भाववाचक संज्ञा बताइए – a) हृदयस्थ b) सौहार्द c) सौहार्द d) हृदयास्थ । 1

iv) विरह का विशेषण – a) वीरहान b) वीरही c) विरही d) विरहान । 1

v) परिणती का शुद्ध रूप लिखिए - a) परीणती b) परिणति c) परनीति d) परनिती । 1

vi) 'आनन-फानन में' मुहावरे का अर्थ बताइए -

a) उछलने-कूदने में b) जल्दी-जल्दी में c) नाचने-गाने में d) घबराने में । 1

vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए - 1

शर्मा जी अच्छे कुल में जन्म लेने वाले ब्राह्मण थे । - रेखांकित वाक्यांश हेतु उपयुक्त शब्द का प्रयोग किस विकल्प में हुआ है ।

Downloaded From www.cbseboard.org

a) शर्मा जी कुलीन ब्राह्मण थे।

b) शर्मा जी कुशाग्र ब्राह्मण थे।

c) शर्मा जी प्रतापी ब्राह्मण थे।

d) शर्मा जी पराक्रमी ब्राह्मण थे।

viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए - 1

"इतनी आयु होने पर भी वह विवाहित नहीं है।"– वाक्य में नहीं हटाइए, परंतु वाक्य का अर्थ ना बदले -

a) **इतनी आयु होने पर भी वह अविवाहित है।**

b) इतनी आयु होने पर भी वह विवाहित है।

c) इतनी आयु होने पर भी वह विवाह के लिए इच्छुक है।

d) इतनी आयु होने पर भी वह विवाह के लिए अनिच्छुक है।

[Answer any Four Question from this Section]

Section – B – 40 Marks

[साहित्य सागर - संक्षिप्त कहानियाँ]

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए ।

Question No – 5

"तो मालिक से पेशगी माँग लो।" "कहते हैं, एक पैसा भी न दूँगा।" **रमज़ान ने ठंडी साँस भरी। उसने रसीला को ठहरने का संकेत किया और स्वयं कोठरी में चला गया। थोड़ी देर बाद उसने कुछ रुपये रसीला की हथेली पर रख दिए। रसीला के मुँह से एक शब्द भी न निकला। सोचने लगा,** "बाबू साहब की मैंने इतनी सेवा की, पर दुःख में उन्होंने साथ न दिया। रमजान को देखो गरीब है, परंतु आदमी नहीं, देवता है। ईश्वर उसका भला करे।"

i) रमजान कौन था ? रसीला की उदासी का कारण जान, रमजान ने क्या किया ? 2

ii) मालिक से पेशगी माँगने की सलाह किसने, किसे और क्यों दी ? 2

iii) रसीला की उदासी का क्या कारण था ? इससे उसके स्वभाव के विषय में क्या ज्ञात होता है ? 3

iv) इस कहानी में लेखक ने समाज की कौन-सी बुराई को प्रकट करने का प्रयास किया है ? 3

Question No – 6

यद्यपि बुद्धिमान गुरुजनों ने उसे विश्वास दिलाया कि उसकी काकी उसके मामा के यहाँ गई है, परंतु असत्य के आवरण में सत्य बहुत समय तक छिपा न रह सका। आस-पास के अबोध बालकों के मुँह से ही वह प्रकट हो गया।

i) काकी को दाह-संस्कार के लिए ले जाते देखकर श्यामू की स्थिति कैसी थी ? 2

ii) श्यामू को कौन विश्वास दिला रहा था और कैसे ? 2

iii) "असत्य के आवरण में सत्य बहुत समय तक छिपा न रह सका।" पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 3

iv) अबोध बालकों ने श्यामू को किस सत्य से अवगत करवाया ? बालकों द्वारा सत्य से अवगत करवाना क्या दर्शाता है ? 3

Question No – 7

वह हमें न देख पाया, वह जैसे कुछ भी न देख रहा था। न नीचे की धरती, न ऊपर चारों ओर फैला हुआ कुहरा, न सामने का तालाब और न एकाकी दुनिया। वह बस अपने निकट वर्तमान को देख रहा था।

Downloaded From www.icseboard.org

i) लेखक के अनुसार बालक क्या देख रहा था ? 2

ii) चुगी की लालटेन के प्रकाश-वृत में लेखक ने क्या देखा ? 2

iii) बालक क्या करता था ? उसने अपने बारे में क्या बताया ? 3

iv) लेखक के मित्र ने किसे और क्यों आवाज दी ? 3

[साहित्य सागर - पद्य भाग]

निम्नलिखित पद्यांशों को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए ।

Question No – 8

काँकर पाथर जोरि कै, मसजिद लई बनाय ।
ता चढि मुल्ला बाँग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय ।।
पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार।
ताते ये चाकी भली, पीस खाय संसार ।।

i) प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से कवि का क्या आशय है? 2

ii) "काँकर पाथर जोरि कै, मसजिद लई बनाय" - इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने मनुष्य की किस प्रवृति की ओर संकेत किया है ? 2

iii) प्रस्तुत पंक्तियों के कवि कौन हैं ? उनका साहित्यिक परिचय दीजिए। 3

iv) कबीरदास जी ने मनुष्य की मूर्ति पूजा व दिखावे की भावना का खंडन किया है, क्यों? 3

Question No – 9

सॉंई सब संसार में, मतलब का व्यवहार।
जब लग पैसा गाँठ में, तब लग ताको यार ।।
तब लग ताको यार, यार संग ही संग डोले।
पैसा रहे न पास, यार मुख से नहिं बोले ।।
कह 'गिरिधर कविराय', जगत यहि लेखा भाई।
करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई सॉंई।।

i) संसार में किस प्रकार का व्यवहार है ? 2

ii) स्वार्थी संसार का मनुष्य कब तक अपने मित्र को खोजता है ? 2

iii) कवि ने संसार को स्वार्थी संसार की संज्ञा क्यों दी है ? 3

iv) उपरोक्त पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए । 3

Question No – 10

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्हीं'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

i) मेघ की समानता किससे की गई है ? वे कहाँ, कितने समय बाद आए ? 2

ii) बूढ़े पीपल को किसकी संज्ञा दी गई है ? उसने आगे बढ़कर क्या किया ? 2

iii) लता ने बादलों को क्या कहकर उलाहना दिया और क्यों ? 3

iv) ताल किसका प्रतीक है ? वह क्या लेकर आया और क्यों ? उसकी प्रसन्नता का क्या कारण है ? समझाकर लिखिए। 3

Downloaded From www.iseboard.org